कार्यालय मुख्य अभियन्ता स्तर–1
उत्तराखण्ड, लोक निर्माण विभाग
देहरादून।

* *

(भूगर्भीय आख्या)

आख्या संख्या 33/1733/08

जनपद रूद्रप्रयाग में तलसारी तोक से गौण्डार मोटर मार्ग हेतु प्रस्तावित समरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

सहायक अभियन्ता
निर्माण खण्ड लो0 नि0 वि0
ऊखीमठ (रूद्रप्रयाग)

Photo copy Attested

सहायक अभियन्ता
निर्माण खण्ड लो0 नि0 वि0
ऊखीमठ (रूद्रप्रयाग)

अप्रैल 2008

जनपद रूद्रप्रयाग में तलसारी तोक से गौण्डार मोटर मार्ग हेतु प्रस्तावित समरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

1 निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग ऊखीमठ के अन्तर्गत 5.00 कि0मी0 लम्बाई मे तलसारी तोक से गौण्डार मोटर मार्ग का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग ऊखीमठ के अनुरोध पर प्रस्तावित समरेखन का अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनांक 4.4.2008 को संबधित अधिशासी अभियन्ता श्री चन्द्रशेखर भट्ट, सहायक अभियन्ता श्री एल0एस0 जगवाण एवं कनिष्ठ अभियन्ता श्री शक्ति आर्य के साथ निरीक्षण किया गया।

2. राज्य योजना के अन्तर्गत तलसारी तोक से गौण्डार मोटर मार्ग का 5.0 कि0मी0 लम्बाई मे निर्माण कार्य स्वीकृत है। मार्ग का निर्माण प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत स्वीकृत एक्सटेंशन जुगासू से रांसी तलसारी मोटर मार्ग के 3.8 कि0मी0 के अंतिम बिन्दु से आगे कराया जाना है। मार्ग के निर्माण हेतु खण्ड द्वारा दो समरेखन बनाये गये है। समरेखन संख्या दो के अनुसार मार्ग की लम्बाई बढती है तथा इसमें दो अतिरिक्त हेयर पिन बैण्ड दिये गये हैं। अतः निर्माण खण्ड लो0नि0वि0 ऊखीमठ द्वारा समरेखन संख्या एक के अनुसार मार्ग के निर्माण का प्रस्ताव है। प्र0ग्रा0 सड़क योजना के स्वीकृत मोटर मार्ग के अंतिम बिन्दु (कि0मी0 3.85) से आगे समरेखन आरम्भ होता है। समरेखन अधिकांशतः ग्राम गौण्डार के पैदल मार्ग के आस–पास है। समरेखन में दो हेयर पिन बैण्ड हैं, जो क्रमशः क्रास सैक्शन 2/35 तथा 3/07 मे दिये गये हैं। समरेखन मधुगंगा नदी को एंव दो गदेरों को पार करता है जिन पर सेतु निर्माण की आवश्यकता होगी। अवगत कराया गया कि समरेखन की अधिकांश लम्बाई संरक्षित वन क्षेत्र (sanctuary area) से होकर गुजरती है। समरेखन 5.00 कि0मी0 लम्बाई पूर्ण कर ग्राम गौण्डार के समीप समाप्त होता है। इस क्षेत्र में नीस व शिस्ट चट्टानें दृष्टिगोचर हैं तथा चट्टानी भाग में पहाड़ी ढलान तीव्र है जो सामान्यतः 45° से 65° के मध्य प्रतीत होता है। समरेखन क्षेत्र में स्थल निरीक्षण के दिन प्रथम दृष्टया कोई अस्थिरता दृष्टिगोचर नहीं हुई। अवगत कराया गया कि समरेखन अधीक्षण अभियन्ता सातवां वृत्त लो0नि0वि0 गोपेश्वर द्वारा अनुमोदित है।

3. समरेखन क्षेत्र की भूगर्भीय स्थिति, भू–आकृति एवं उक्त प्रस्तर में वर्णित तथ्यों को ध्यान में रखते हुये निम्न सुझाव दिये जा रहे है, जिन्हे प्रस्तावित मार्ग निर्माण में सम्मिलित किया जाना आवश्यक है।

(क) यथासम्भव मार्ग की पूरी चौडाई कटान करके प्राप्त की जाये। यह भविष्य में मार्ग की स्थिरता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। जहॉ रिटेनिंग दीवार का निर्माण अपरिहार्य हो वहॉ इनका निर्माण फर्म स्ट्रेटा पर समुचित परिकल्पना के आधार पर कराया जायें।

(ख) यह सुनिश्चित किया जाये कि समरेखन मे प्रस्तावित हेयर पिन बैंड कम ढलान युक्त स्थिर भूमि मे बनाये जाये।

(ग) सेतुओं का निर्माण उपयुक्त स्थल पर भूगर्भीय राय के आधार पर कराया जाये।

सहायक अभियन्ता
निर्माण खण्ड लो0 नि0 वि0
ऊखीमठ (रूद्रप्रयाग)

Photo copy Attested

सहायक अभियन्ता
निर्माण खण्ड लो0 नि0 वि0
ऊखीमठ (रूद्रप्रयाग)

(घ) समरेखन के समीप स्थित घरों से सुरक्षित दूरी रखते हुये बिना विस्फोटकों का प्रयोग किये मार्ग कटान किया जाये।

(ड). समरेखन में तीव्र चट्टानी ढलान वाले भाग में सावधानीपूर्वक मार्ग कटान किया जाये जिससे कोई अस्थिरता उत्पन्न न हो।

(च) जंहॉ मार्ग कटान की ऊंचाई अधिक हो और स्ट्रेटा कमजोर हो, आवश्यक होने पर उस भाग में मार्ग कटान के साथ– साथ समुचित ब्रेस्ट वाल का निर्माण कराया जाये।

(छ) वर्षा के पानी की समुचित निकासी हेतु रोडसाईड ड्रेन एवं स्कपर का प्रावधान किया जायें।

(ज) पर्वतीय क्षेत्र में मार्ग निर्माण के लिये निर्धारित सिविल अभियांत्रिकी के अन्य मानको एवं विशिष्टियों का भी पालन किया जाये।

4. मार्ग के नवनिर्माण विषयक स्थायित्व सम्बंधी बिन्दुः–

(i) मार्ग कटान के पश्चात हिल साईड में जिस स्थान पर over burden material होगा तथा पहाडी ढलान slope forming material के angle of repose से अधिक होगा उस भाग में वर्षाकाल में पहाडी ढलान के अस्थिर होने की सम्भावना हो सकती हैं।

(ii) तीव्र चट्टानी ढलान में blasting किये जाने पर चट्टान के ज्वाइन्ट्स सक्रिय हो सकते है तथा नई दरारें भी उत्पन्न हो सकती हैं, जिनके कारण विपरीत परिस्थितियों में अस्थिरता उत्पन्न हो सकती है। अतः जहां आवश्यक हो मार्ग कटान में नियंत्रित ब्लास्टिंग की जाये।

5. तलसारी तोक से गौण्डार मोटर मार्ग हेतु 5.00 कि0मी0 लम्बाई का प्रस्तावित समरेखन वर्तमान परिस्थितियों में उपरोक्त सुझावों के साथ मार्ग निर्माण के लिये उपयुक्त प्रतीत होता है। इस हेतु प्रस्तावित भूमि भूगर्भीय दृष्टि से उपयुक्त है।

टिप्पणीः–

(1) भूमि हस्तातरण की दृष्टि से समरेखन क्षेत्र में किये गये निरीक्षण एवं खण्ड द्वारा उप्रलब्ध कराये गये सर्वेक्षण विवरण के आधार पर यह एक जनरलाइज्ड आख्या है। मार्ग कटान के पश्चात् स्थिति में परिवर्तन भी सम्भव है। समरेखन/ मार्ग पर किसी विशिष्ट बिन्दु पर यदि सुझाव की आवश्यकता हो तो उसे अलग से अवगत कराया जाये।

(2) मुख्य अभियन्ता स्तर 1 लो0 नि0 वि0, देहरादून द्वारा समस्त अधीक्षण अभियन्ताओं को मार्गो के निर्माण एवं समरेखन निर्धारण के सम्बन्ध में प्रेषित पंत्राक 7272/8(1)याता0–उ0/ 05 दिनांक 16.11.2005 में दियें गये निर्देषों का भी अनुपालन किया जायें।

Photo copy Attested

सहायक अभियन्ता
निर्माण खण्ड लो0 नि0 वि0
ऊखीमठ (रूद्रप्रयाग)

H. Kumar 9.4.08
भूवैज्ञानिक
कार्यालय मुख्य अभि॰ स्तर-I
लो॰नि॰वि॰ उत्तरांचल
देहरादून

सहायक अभियन्ता
निर्माण खण्ड लो0 नि0 वि0
ऊखीमठ (रूद्रप्रयाग)